12वाँ ब्रिक्स संसदीय फ़ोरम: 26-27 अक्टूबर 2026, संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में

संसद और अंतरराष्ट्रीय संबंध | समाचार संदर्भ: 22 अक्टूबर 2026 (पीआईबी, लोकसभा सचिवालय) | प्रकाशित: 23 अक्टूबर 2026 (अपडेट: 26 अक्टूबर 2026)

खबरों में क्यों

भारतीय संसद 26 और 27 अक्टूबर 2026 को संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में 12वें ब्रिक्स संसदीय फ़ोरम की मेज़बानी कर रही है (घोषणा: पीआईबी, 22 अक्टूबर 2026)। फ़ोरम का उद्घाटन 26 अक्टूबर 2026 को हुआ; प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन-सत्र में शामिल हुए और आगंतुक शिष्टमंडलों के नेताओं से मिले (PTI एवं अन्य रिपोर्ट, 26 अक्टूबर 2026)। फ़ोरम का केंद्रीय विषय है “जन-केंद्रित विकास के लिए संसदों का सशक्तीकरण” (Strengthening Parliaments for People-Centric Development)।

अपडेट (26 अक्टूबर 2026): लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पीआईबी-प्रकाशित लेख (26 अक्टूबर 2026) के अनुसार फ़ोरम की चर्चा भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता के चार स्तंभों से निर्देशित है। (स्रोत: PIB, 26 अक्टूबर 2026)

कार्यक्रम की रूपरेखा

- **चार उच्च-स्तरीय सत्र:** (1) Resilience — संस्थाओं को मजबूत करने में संसदों की भूमिका; (2) Innovation — मानव-केंद्रित AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता — कंप्यूटर द्वारा मनुष्य जैसा सीखना, समझना और निर्णय लेना) और डिजिटल तकनीक; (3) Cooperation — अधिक प्रतिनिधिक वैश्विक शासन; (4) Sustainability — सतत एवं समावेशी भविष्य।
- सदस्य एवं भागीदार देशों की संसदों की अंतरराष्ट्रीय मामलों की समितियों के अध्यक्षों की विशेष बैठक भी होगी; 25 अक्टूबर को शिष्टमंडल-सचिवों की बैठक संयुक्त वक्तव्य को अंतिम रूप देगी।
- लोकसभा अध्यक्ष के वक्तव्य (विज्ञप्ति में उद्धृत) के अनुसार ब्रिक्स के 11 सदस्य और 10 भागीदार देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारी और शिष्टमंडल भाग लेंगे; उपराष्ट्रपति अतिथियों के सम्मान में भोज देंगे।

परिप्रेक्ष्य

यह भारत की ब्रिक्स-अध्यक्षता के तहत संसदीय कूटनीति का मंच है (विज्ञप्ति में सितंबर 2026 के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का संदर्भ है)। संसदीय ट्रैक सरकारी शिखर-वार्ता के समानांतर सदस्य देशों की संसदों को जोड़ता है।

विस्तारित ब्रिक्स: प्रमुख आँकड़े (स्रोत-अंकित)

- विदेश मंत्रालय की "Brief on BRICS" के अनुसार ब्रिक्स 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जो विश्व जनसंख्या का लगभग 49.5% और वैश्विक व्यापार का लगभग 26% है।
- आधिकारिक ब्रिक्स पोर्टल (brics.br, जनवरी 2025 में प्रकाशित पृष्ठ) के वर्ष-चिह्नित आँकड़े: 2024-विस्तार के बाद वैश्विक GDP में ब्रिक्स का हिस्सा PPP (पर्चेज़िंग पावर पैरिटी, यानी क्रय-शक्ति समानता — कीमत-स्तर का अंतर ध्यान में रखकर अर्थव्यवस्थाओं की तुलना) के आधार पर लगभग 39% (2023); विश्व के दुर्लभ-मृदा (rare earth — इलेक्ट्रॉनिक्स और बैटरी बनाने में ज़रूरी दुर्लभ खनिजों का समूह) भंडार का लगभग 72%; वैश्विक तेल उत्पादन का 43.6%, प्राकृतिक गैस का 36% और कोयला उत्पादन का 78.2% (स्रोत: AIE)।

परीक्षा की दृष्टि से

ब्रिक्स की संसदीय ट्रैक, संविधान सदन, फ़ोरम-विषय — प्रिलिम्स तथ्य; GS-II में संसदीय कूटनीति का उदाहरण। ब्रिक्स की जनसंख्या-व्यापार हिस्सेदारी और ऊर्जा-खनिज आँकड़े (वर्ष और स्रोत सहित) भी प्रिलिम्स-योग्य तथ्य हैं।

स्रोत और सीमाएँ

PTI एवं अन्य रिपोर्ट, 26 अक्टूबर 2026 — फ़ोरम का उद्घाटन संविधान सदन में (26 अक्टूबर); प्रधानमंत्री की सहभागिता और शिष्टमंडल-भेंट।

PIB, 26 अक्टूबर 2026 (PRID 2328342) — लोकसभा अध्यक्ष का लेख: फ़ोरम-विषय व भारत की 2026 अध्यक्षता के चार स्तंभ — लिंक

- पीआईबी (लोकसभा सचिवालय), 22 अक्टूबर 2026 (पढ़ा): https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2326629
- विदेश मंत्रालय, Brief on BRICS (mea.gov.in, पढ़ा): https://mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/BRICS-2025.pdf
- आधिकारिक ब्रिक्स पोर्टल, BRICS Data (जनवरी 2025 पृष्ठ, पढ़ा; वर्ष-चिह्नित आँकड़े प्रयुक्त): https://brics.br/en/about-the-brics/brics-data
- **सीमाएँ:** "11 सदस्य/10 भागीदार" अध्यक्ष के वक्तव्य पर आधारित; आयोजन 26–27 अक्टूबर 2026 को प्रचलित है; उद्घाटन 26 अक्टूबर को हुआ (PTI एवं अन्य रिपोर्ट) — सत्र-विवरण विज्ञप्ति-आधारित। GDP-हिस्सेदारी के लिए केवल brics.br का वर्ष-चिह्नित PPP-आँकड़ा (2023) प्रयुक्त गया है; MEA संक्षिप्त GDP-हिस्से का आधार नहीं बताती।